नई दिल्ली › बुधवार, 16 नवंबर 2022 › कार्तिक 25 शक संवत 1944 मार्गशीर्ष कृष्ण अष्टमी विक्रम संवत 2079

YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

वर्ष 76, संख्या 272 › पेज 18* › नोएडा › मूल्य 4.00 या 9.00* रुपये द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

www.nbt.in

NBT

नवभारत टाइम्स

डिंपल के खिलाफ BJP ने शाक्य को उतारा

▸p10

रफ्तार इस तरह

सन 1800 तक दुनिया की आबादी एक अरब थी।

एक से दो अरब आबादी तक पहुंचने में 100 साल का वक्त लगा

8 अरब

हुई दुनिया की आबादी,

जनवरी में शुरू होगा गौड़ चौक पर अंडरपास बनाने का काम!

ग्रेनो वेस्ट में आबादी बढ़ने की वजह से यहां पर सुबह-शाम जाम लगता है। लोगों का समय बर्बाद होता है

■ **वरिष्ठ संवाददाता, ग्रेटर नोएडा**

ग्रेनो वेस्ट में हर दिन सुबह-शाम लगने वाले जाम की समस्या को दूर करने के लिए अथॉरिटी ने कवायद तेज कर दी है। अथॉरिटी का अगला सिविल प्रॉजेक्ट गौड़ चौक पर बनने वाला अंडरपास होगा। इसके लिए अथॉरिटी ने कंसल्टेंट का चयन कर प्रॉजेक्ट में अनुमानित लागत और जरूरत की जानकारी दे दी है। माना जा रहा है कि अब आगे कंसल्टेंट एजेंसी नवंबर के आखिर या दिसंबर में डीपीआर तैयार कर अथॉरिटी को सौंप देगी। अगर सब कुछ ठीक रहा तो अथॉरिटी की तैयारी अंडरपास का निर्माण जनवरी में शुरू करवाने की है।

- अथॉरिटी ने कंसल्टेंट का किया चयन, दिसंबर तक तैयार हो जाएगी डीपीआर
- अंडरपास पुलिस लाइन से एनएच को जोड़ने वाली सड़क पर बनवाया जाएगा

“ गौड़ सिटी अंडरपास प्रॉजेक्ट का रिव्यू कर काम आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। कोशिश है कि प्रॉजेक्ट में निर्माण जल्द से जल्द शुरू करवाया जाए।

- रितु माहेश्वरी, सीईओ

जानकारी के मुताबिक, यह अंडरपास पुलिस लाइन से एनएच-24 को जोड़ने वाली सड़क पर बनवाया जाएगा। अंडरपास 6 लेन का होगा। कुछ उसी तरह से इस प्रॉजेक्ट को बनवाने की तैयारी है जैसे नोएडा के सेक्टर-71 चौराहे पर अंडरपास बनाया गया है। अथॉरिटी की कोशिश है कि काम शुरू होने पर यहां पर ट्रैफिक व्यवस्था कम से कम प्रभावित हो। ग्रेनो वेस्ट में बढ़ती आबादी के कारण इस चौराहे पर ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ रहा है। अनुमान के मुताबिक नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली आने जाने के लिए प्रतिदिन एक लाख के करीब वाहन गुजरते हैं।

सड़कें चौड़ी होने के बाद भी सुबह और शाम जाम से लोगों को हर दिन जद्दोजहद करनी पड़ती है। पीक आवर में गौड़ चौक पर लंबा जाम लग जाता है। रोड इंजीनियरिंग व यू-टर्न बनाकर भी प्रयोग किए गए। लेकिन जाम दूर करने में सफलता नहीं मिली।